

फर्द अहकाम

आलय _____

जोधा

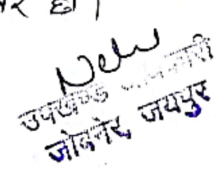
बनाम

सुन-५५

क्रमा संख्या/वर्ष

:

/ 20

दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
31/10/25	<p>पत्रावली पेशा दुर्ग। वारी एवं उनके अधिवक्ता अनुपस्थित। वारी को बाप आग्रस्य में प्रथम प्रथक समर्थ पर तीस-तीस बार भावापे लगवायी गयी। कावपूद भावापे लगवाने के अलावा भी वारी के आग्रस्य में शामिल नहीं आने के कारण पत्रावली भन्तर्गत आदेश-५ सिम-३ पा. प्री. के तहत भद्रम हाजरी व भद्रम पेशवा में खारिज की गयी। पत्रावली फौजल शुमार होकर नंबर से कम होकर राखिल करत है।</p> <p style="text-align: center;">  </p>	